LHC 5002-प्रयोजनमूलक हिन्दी :

Course Code	LHC 5002	Semester	Elective
Name of Course	प्रयोजनमूलक हिन्दी (Prayojanmoolak Hindi)		
Speciality	कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course)		
Credit / क्रेडिट-04	Contact Hours: L-03, T-01=04	Type	Elective

पाठ्यक्रम परिचय (Course Description) :

हिन्दी नाटकों की परंपरा प्राचीनकाल से विद्यमान रही है।भरतमुनि का सिद्धांत प्राथमिक रूप से नाटकों को केन्द्र में रखकर है।लेकिन प्राचीन नाटकों की सीमाबद्धता आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और तार्किकता से है।हिन्दी नवजागरण के साथ जिस साहित्यिक भावभूमि और सामाजिक यथार्थ का दर्शन हिन्दी के रचनाकारों ने किया, उसकी वजह से नाटकों के कथ्य के साथ नाटकों की शैली-प्रविधि का भी लगातार विकास होता गया है। 'अंधेर नगरी' से आधुनिक हिन्दी नाटकों का आरंभ मानकर समकालीन नाटककारों का नाटकों के कथ्य व रंग-शिल्प तथा रंगमंच प्रविधियों का अध्ययन करके आधुनिक हिन्दी नाटकों के इतिहास का समग्रता से परिचय कराया जायेगा।

पाठ्यक्रम उपयोगिता (Course Outcome):

1. हिन्दी के क्षेत्र में रोज़गार के लिए अवसर।
2. कार्यालय में कार्य करने की दक्षता।
3. हिन्दी भाषा के नए प्रयोगों से अवगत होना।
4. तकनीकी कप्यूटर भाषा का ज्ञान।
5. हिन्दी भाषा का व्यावहारिक अनुप्रयोग।

पाठ्यक्रम (Couse Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई- एक

हिन्दी भाषा व क्रियान्वयन- व्यावहारिक हिन्दी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, विभाषा व सम्पर्क भाषा कार्यालयी भाषा हिन्दी : विज्ञप्ति, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण, आवेदन।

इकाई- दो

हिन्दी पत्रकारिता- पत्रकारिता की परिभाषा, पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार, राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम मेंहिन्दी पत्रकारिता का महत्त्व जनसंचार लेखन : संपादकीय लेख, रेडियो, टेलीविजन और समाचार पत्र (विज्ञापन लेखन और समाचार लेखन)।

इकाई- तीन

हिंदी कंप्यूटिंग : संक्षिप्त परिचय – प्रयोग, पब्लिशिंग, इन्टरनेट।

इकाई- चार

मीडिया व जनसंचार लेखन - न्यू मीडिया की भाषा।

परीक्षा पद्धति (Pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'खंड 'ख' में 11 से 16 ससंदर्भ व्याख्या (RC) होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

संदर्भ ग्रंथ :

1	विनीता सहगल	:	आज का युग : इंटरनेट युग
2	मनोज सिंह	:	आओ कम्प्यूटर सीखें
3	विनोद कुमार मिश्रा	:	आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान
4	गुंजन शर्मा	:	कम्प्यूटर : बेसिक शिक्षा
5	विष्णुप्रिया सिंह	:	कम्प्यूटर का परिचय
6	राजेश कुमार	:	कम्प्यूटर एक अद्रभुत आविष्कार
7	शादाब मलिक	:	कम्प्यूटर और इसके अनुप्रयोग
8	नीति मेहता	:	कम्प्यूटर इंटरनेट शब्दकोश
9	राजगोपाल सिंह जादिन	:	कम्प्यूटर के विविध आयाम
10	विष्णुप्रिया सिंह	:	कम्प्यूटर नेटवर्किंग कोर्स
11	पी. के.शर्मा	:	कम्प्यूटर परिपालन की पद्धतियाँ
12	गुणाकर मुले	:	कम्प्यूटर क्या है?, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13	विनोद कुमार मिश्र	:	कम्प्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश, राजकमल प्रकाशन, नई

दिल्ली

14	बालेन्दुशेखर तिवारी	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी, संजय बुक डिपो, वाराणसी
15	विजयपाल सिंह	:	कार्यालय हिन्दी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16	डॉ.भोलानाथ तिवारी	:	राजभाषा हिन्दी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
17	डॉ.रामगोपाल सिंह	:	हिन्दी मीडिया लेखन और अनुवाद, पार्श्व, अहमदाबाद
18	डॉ.सुनागलक्ष्मी	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रासंगिकता एवं परिदृश्य, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
19	डॉ.षिबा मनोज	:	पत्रकारिता का जनसंचार और हिन्दी उपन्यास, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
20	अमी आधार निडर	:	समाचार संकल्पना और अनुवाद, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
21	डॉ.हरिमोहन	:	सूचनाक्रांति और विश्वभाषा हिन्दी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
22	डॉ.हरिमोहन	:	आधुनिक संचार और हिन्दी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
23	एन. सी. पंत	:	मीडिया लेखन के सिद्धांत, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
24	डॉ.माधव सोनटके	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25	डॉ.रामप्रकाश	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
26	डॉ.कैलाशनाथ पाण्डेय	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका
27	पी.लता	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद